हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

9 स्वर्ण मृग के मायाजाल में फंसे राम-लक्ष्मण...



10 श्रद्धालुओं ने किए माता भीमेश्वरी देवी के दर्शन, परिवार की...



खबर संक्षेप

जिला स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे, जहां नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल और उपमंडल स्तरीय शिविरों में संबंधित एसडीएम आमजन की शिकायतें व समस्याएं सुनेंगे।

मकान से आभूषण व नकदी ले उड़े चोर

बहादुरगढ़। लाइनपार के विकास नगर फेस-2 स्थित एक मकान में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर मकान में घुसे और नकदी, आभूषण, मोबाइल व कपड़े आदि सामान पर हाथ साफ कर गए। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। विकास नगर की निवासी सृष्टि का कहना है कि मकान में केवल वह और उसकी मां रहती है। दोनों सुबह ड्यूटी पर चले गए थे। पीछे से मकान बंद था। जब दोपहर को वापस आए तो कमरों में सामान अस्त व्यस्त मिला। बेड को खंगाया गया था। उसका सामान बाहर बिखरा पड़ा था। जांच करने पर दस हजार रुपये की नकदी, कानों के सोने के झुमके, चांदी की पायल, दो मोबाइल नहीं थे। इतना ही नहीं, शादी के लिए साड़ियां व कुछ कपड़े जिस सूटकेस में थे, वो भी नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सृष्टि की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगालेगी।

लाइब्रेरी के पास से बाइक चोरी, केस दर्ज

बहादुरगढ़। नजफगढ़ रोड स्थित एक लाइब्रेरी के पास से बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। पटेल पार्क के निवासी सूरज का कहना है कि वह नजफगढ़ रोड स्थित लाइब्रेरी में पढ़ने गया था। अपनी बाइक लाइब्रेरी के बाहर खड़ी कर दी। शाम करीब साढ़े 5 बजे बाहर निकला तो बाइक नजर नहीं आई। काफी तलाशने पर भी नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। उधर सिटी पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक पखवाड़े पहले स्थापित किए गए थे नए पोल, बढ़ी परेशानी

नीमवाली कॉलोनी में अधूरा पड़ा जर्जर बिजली लाइनों को शिफ्ट करने का काम

कॉलोनीवासियों को आशंका है कि जर्जर बिजली व्यवस्था किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर के कच्चा सुर्खपुर रोड स्थित नीमवाली कॉलोनी में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम अधर में लटका हुआ है। करीब तीन सप्ताह पहले कालोनी की एक गली में जर्जर बिजली खंभों से तारों को शिफ्ट करने के लिए नए खंभें लगाए गए थे। कुछ खंभों पर तार और बिजली मीटर भी स्थानांतरित कर दिए गए, लेकिन एक जर्जर पोल टूटने और बिजली कर्मचारी के घायल होने के बाद काम अधूरा छोड़ दिया गया। इसके चलते एक पुराने खंभे पर अब भी बिजली के तार और मीटर लगे हुए हैं। कॉलोनीवासियों को आशंका है कि जर्जर बिजली व्यवस्था किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

कॉलोनीवासियों के अनुसार, करीब बीस दिन पहले गली में नए बिजली के खंभें लगाए गए थे। इन पर बाहर से आने वाली इंसुलेटेड तारें भी बिछाई गई थीं। इसके बाद कर्मचारी गली में आगे स्थित एक जर्जर खंभे पर तार बदलने का काम कर रहे थे। इसी दौरान वह खंभा अचानक जमीन पर गिर गया। इस घटना में एक कर्मचारी भी घायल हो गया। जिसके बाद कर्मचारियों ने टूटे हुए खंभें को पास के खाली प्लॉट में रख दिया और वहां से चले गए। तब से शेष बचे बिजली के तारों और मीटरों को नए खंभें पर स्थानांतरित करने का काम अधर में लटका है।

सिटी पल्स



झज्जर। जर्जर खंभे पर लगे बिजली मीटर व तारों के साथ खड़ी कालोनीवासी महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

पुराने पोल पर तार और मीटर बने चिंता का कारण



कालोनीवासी जय कुमार ने कहा कि जब नए बिजली पोल लगाए जा चुके हैं तो पुराने खंभे पर लगे तारों और मीटरों को भी समय रहते नए पोल पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। कर्मचारियों के जाने के बाद से इन्हें शिफ्ट करने के लिए कोई नहीं पहुंचा। उन्होंने मांग की कि पुराने पोल पर लगे सभी तारों और मीटरों को नए पोल पर स्थानांतरित किया जाए और जर्जर खंभे को वहां से हटाया जाए।

बरसात में ग्रिल में आया करंट



कालोनी वासी रानो देवी ने बताया कि जब यह काम चल रहा था तो उनके घर की ग्रिल पर खंभे से आ रही तारों को बांधा गया था। काम अधर में लटकने के बाद वे तारें ग्रिल पर बंधी रहीं। पिछले दिनों हुई बरसात के दौरान उनके मकान की छत पर लगी लोहे की ग्रिल में करंट आ गया था। इस घटना से परिवार के लोगों में डर का माहौल बन गया।

जर्जर पोल को हटाने की मांग



कालोनीवासी कार्तिक ने कहा कि कॉलोनी में नए बिजली पोल लगाने का काम शुरू होने से लोगों को उम्मीद थी कि जर्जर खंभों से जुड़ी समस्या का समाधान हो जाएगा, लेकिन काम अधूरा रहने के कारण परेशानी जस की तस बनी हुई है। संबंधित विभाग को जल्द मौके पर पहुंचकर शेष काम पूरा करवाना चाहिए, ताकि पुराने पोल के कारण लोगों को खतरे का सामना न करना पड़े।

दिव्यांगों की मदद करने वाले से 79 लाख से अधिक ठगे

बहादुरगढ़। एक संस्था बनाकर दिव्यांगों की मदद करने वाले बुजुर्ग शख्स से ठगी की बड़ी वारदात हो गई। शातिर महिला ने खुद को एक एनजीओ संचालक बताते हुए बुजुर्ग को बातों में उलझाया और उसे शेयर मार्केट के नाम पर 79 लाख से अधिक रुपये ऐंठ लिए। बुजुर्ग की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है। करीब 70 वर्षीय पीड़ित का कहना है कि उन्होंने अपनी संस्था से जुड़ी तमाम जानकारी फेसबुक अकाउंट पर डाल रखी है। कुछ महीने पहले एक महिला की मेरे पास कॉल आई। उसने अपना नाम नेहा अग्रवाल बताया और हमारे ट्रस्ट के बारे में जानकारी मांगी। कहने लगी कि वह भी एनजीओ चलाती है और इस तरह से बातों में उलझा लिया। बोली कि सेवा कार्य में आपका बहुत खर्च आता होगा। नोवा ट्रेडिंग लाइट एप में पैसा लगाओ, बहुत फायदा होगा। फिर आठ बार करके कुल 79 लाख 75 हजार रुपये जमा करवा दिए। जब विड्राल करने लगा तो सर्विस चार्ज के नाम पर 14 लाख रुपये की डिमांड की गई और रुपये न देने के बहाने लगाने लगे। फिर ठगी का आभास हुआ और ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। अब केस दर्ज हो पाया है। उधर, पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। लोगों को सतर्क और जागरूक रहने की अपील की है।

शेयर मार्केट में मुनाफे का लालच देकर साढ़े 45 लाख रुपये ठगे

बहादुरगढ़। शेयर मार्केट में मुनाफे का लालच देकर लोगों को चपत लगाई जा रही है। बहादुरगढ़ की एचएल सिटी के निवासी एक व्यक्ति को भी शातिरों ने करीब साढ़े 3 करोड़ का मुनाफा दिखाकर साढ़े 45 लाख रुपये की चपत लगा दी। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना झज्जर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता रवींद्र का कहना है कि कुछ दिन पहले उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ लिया गया। ग्रुप में रोजाना शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने के लिए कहा जाता था। धीरे धीरे वह शातिरों के झांसे में आ गया और रुपये इन्वेस्ट करता चला गया। शातिरों द्वारा उपलब्ध कराई गई एप में जब मुनाफा 3 करोड़ 57 लाख 47 हजार 256 रुपये दिखाई दिया तो उसे निकालने की कोशिश की लेकिन बात नहीं बनी। फिर उनसे बात की तो उन्होंने 15 लाख 59 हजार 440 रुपये की और डिमांड की। इसके बाद शक हुआ। फिर उनके पास कॉल की तो उन्होंने रिसीव नहीं की। इस तरह से शातिरों ने 45 लाख 58 हजार 464 रुपये की ठगी कर ली। इसके बाद ऑन लाइन शिकायत दर्ज कराई। अब साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

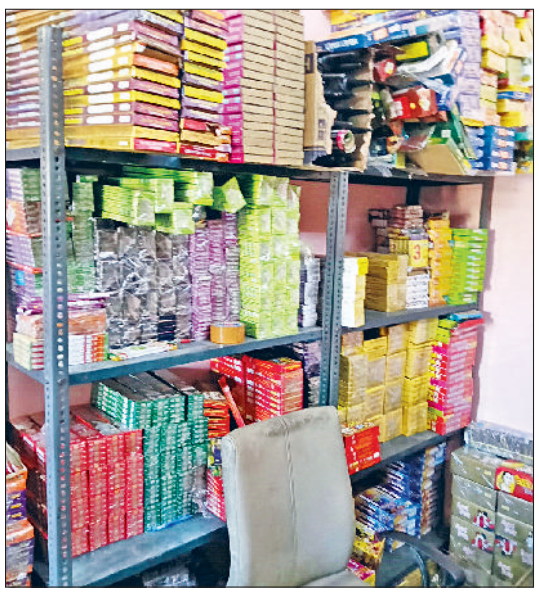

दुकान से अवैध पटाखे बरामद, दो पर केस

बहादुरगढ़। स्थानीय पुलिस ने गांव सांखौल के नाला रोड स्थित एक दुकान से भारी मात्रा में बम-पटाखे और आतिशबाजी का सामान बरामद किया है। लाइसेंस व परमिट न मिलने पर पुलिस ने प्रिंस और प्रीतम निवासी बहादुरगढ़ के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।थाना सेक्टर-6 पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दमकल अधिकारी के साथ यह संयुक्त कार्रवाई की। दुकान की जांच ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं नायब तहसीलदार प्रवीण की मौजूदगी में की गई। बरामद पटाखों को सील कर पुलिस ने कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार, दुकान घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित थी। यहां पटाखों का भंडारण दुर्घटना की स्थिति में जान-माल के नुकसान का कारण बन सकता था। मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है।

सरपंचों से गोमाता की रक्षा के लिए आगे आने की अपील

बहादुरगढ़। नरवाल खाप के अध्यक्ष भलेराम नरवाल की ओर से एक नवंबर को दीप जलाने का आह्वान किया गया है। दीप जलाने के साथ ही गोमाता को राजमाता का दर्जा दिलाने के लिए बुलंद आवाज उठेगी। इसी क्रम में सनातन संस्कृति रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष सतपाल बूरा ने गोमाता क्रांति दिवस के समर्थन में बहादुरगढ़ तहसील के सरपंचों से आगे आने की अपील की है। आगामी 21 जनवरी को बहादुरगढ़ में विशेष बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है।

■ बुलंद करेंगे गोमाता को राजमाता का दर्जा दिलाने की आवाज

बैठक में सरपंचों, समाजसेवियों और गोभक्तों को आमंत्रित कर आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। सतपाल बूरा का कहना है कि गोमाता की रक्षा के लिए गोवंश को सुरक्षित जीवन देने, गोहत्या पर प्रभावी रोक लगाने और जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने ग्राम पंचायतों से गांवों में गोमाता को भूमि उपलब्ध कराने तथा बहादुरगढ़ नगर परिषद में गाय को नगर माता का दर्जा दिलाने के लिए संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से सरकारी योजनाओं में गोमाता के संरक्षण को प्राथमिकता देने, गोशालाओं के संचालन के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने, गोवंश की रक्षा के लिए सख्त कानून बनाने और गोहत्या से जुड़े अपराधों पर कड़ी कार्रवाई करने की अपील की।

55 लाख से बनेगी मांडोठी बाजार की मुख्य सड़क

विधायक ने निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए जलभराव की समस्या दूर करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के मांडोठी बाजार की जर्जर सड़क का 55 लाख रुपए की लागत से नवनिर्माण होगा। रविवार को विधायक राजेश जून ने नगर परिषद अधिकारियों, पार्षदों व स्थानीय निवासियों के साथ निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर विधिवत शुभारंभ किया। स्थानीय निवासियों ने विधायक राजेश जून का स्वागत करने के साथ ही आभार जताया।

विधायक राजेश जून ने कहा कि मांडोठी बाजार की मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में थी। सड़क जगह-जगह से टूट चुकी थी, जिस कारण दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय निवासियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बरसात के दौरान सड़क पर जलभराव की समस्या भी उत्पन्न हो जाती थी। लोगों की परेशानी को देखते हुए सड़क निर्माण की मांग को गंभीरता से लिया गया और अब 55 लाख रुपये की लागत से इसके निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। विधायक राजेश जून ने बताया कि मांडोठी बाजार की इस मुख्य सड़क को सीमेंट कंक्रीट से बनाया जाएगा। सड़क का निर्माण मुख्य झज्जर रोड चौराहे से गांधी चौक तक किया जाएगा। इससे स्थानीय निवासियों और दुकानदारों के साथ राहगीरों को भी राहत मिलेगी। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या से लोगों को परेशान न होना पड़े। विधायक राजेश जून ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। बहादुरगढ़ में लोगों की समस्याओं का समाधान करने और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



बहादुरगढ़। सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पार्षद अश्वनी शर्मा, अशोक शर्मा, सत्यप्रकाश छिकारा, राजेश मकडौली, प्रवीण सोनू, अनिल सिंगल, हरिमोहन धाकरे, पवन रोहिल्ला, ईओ संजय रोहिल्ला, नरेश छिकारा, सतवीर यादव, शिव यादव, मास्टर प्रहलाद सिंह, सतबीर यादव, हेमराज, कुक्कू यादव, आनंद यादव, जोगेंद्र खत्री, सीटू यादव, बलराज दलाल व योगेंद्र वत्स आदि मौजूद रहे।



झज्जर। अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के दौरान उपस्थित पुलिस एवं परिजन। फोटो : हरिभूमि

पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंपा शव

झज्जर। गांव लुहारी में ट्रक को पीछे कराते समय मौत का शिकार हुए परिचालक के शव का रविवार को पोस्टमार्टम कराया गया। मामले के जांच अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि शनिवार को वेयरहाऊस में ट्रक बैक कराते समय यूपी के प्रतापगढ़ जिले के सूबेदार कपरवा गांव निवासी दलीप पुत्र पन्नालाल ट्रक के नीचे आ गया था। इस हादसे में उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

भट्टी गेट में पवित्रता दिवस कार्यक्रम 25 अक्टूबर को

झज्जर। शहर के भट्टी गेट स्थित महर्षि दयानंद शिक्षण केंद्र में आगामी 25 अक्टूबर को नैष्ठिक ब्रह्मचारी सुभाष आर्य की स्मृति में पवित्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। केंद्र के संरक्षक महाशय रतिराम आर्य ने बताया कि स्थानीय गुरुकुल महाविद्यालय के अधिष्ठाता आचार्य विजयपाल योगार्थी की अध्यक्षता में होने वाले इस कार्यक्रम में हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा रोहतक के वेद प्रचार अधिष्ठाता स्वामी सच्चिदानंद मुख्यातिथि, ब्रह्मचारी योगेंद्र योगाचार्य विशिष्टातिथि तथा नैष्ठिक गजराज सम्मानित अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। योगाचार्य मुकेश आर्य ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः आठ बजे यज्ञ से की जाएगी। नौ बजे से दोपहर एक बजे भजन, प्रवचन एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें मधुर भजनोपदेशक कुलदीप भास्कर द्वारा भजनों के माध्यम से आर्य समाज की महिमा का गुणगान किया जाएगा।



मनुष्य अपूर्ण है इसलिए सत्य का विकास जो उसके द्वारा होता है अपूर्ण होता है। यही विकास का रहस्य है। यदि ऐसा न हो तो ज्ञान की वृद्धि असंभव हो जाय।

- जयशंकर प्रसाद



पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही, जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था।



प्रेम का विसर्जन



कहानी

मनीषा मंजरी

धूप की हल्की सुगंध, घंटियों की आवाज़ और दूर से आती ढाक की थाप... पूरा शहर जैसे मां दुर्गा के आगमन के रंग में डूबा हुआ था। जगह-जगह सजे विशाल मंडपों में रोशनी झिलमिला रही थी और नीले आकाश के नीचे हर ओर भक्ति, उल्लास और उत्सव की छटा बिखरी थी। उसी भीड़ में काव्या मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़े खड़ी थी। आंखें बंद थीं। पिछले तीन वर्षों से वह इसी तरह यहां आती, प्रतिमा के सामने खड़ी होती, आंखें बंद करती और हर बार एक ही प्रार्थना दोहराती,

"मां... उसे वापस कर दो।"

पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था। उसे आज भी याद था, वह पहली दुर्गा पूजा, जब सौरव ने उसे लाल चूड़ियों का एक छोटा-सा डिब्बा देते हुए कहा था,

"तुम पर लाल रंग अच्छा लगता है।"

काव्या ने चूड़ियां हाथ में लेते हुए मुस्कुराकर पूछा था,

"और अगर मुझे पसंद नहीं आया तो?"

सौरव हंसा था।

"तो अगले साल रंग बदल दूंगा।"

काव्या खिलखिला पड़ी थी। उसे कहां पता था कि कुछ रंग जीवन में इतने गहरे उतर जाते हैं कि वर्षों बाद भी उनसे बाहर निकलना आसान नहीं होता। उनका प्रेम किसी फिल्मी कहानी जैसा नहीं था। वह चाय के छोटे-छोटे कपों, देर रात तक चलने वाली फोन कॉलों, अचानक हुई बारिशों और उन अनगिनत बातों से बना था जिनका कोई विशेष अर्थ नहीं होता, फिर भी जिनके बिना प्रेम अधूरा लगता है। सौरव उसके सपनों को जानता था। काव्या लेखिका बनना चाहती थी, वह अक्सर कहता,

"तुम्हें अपनी किताब लिखनी चाहिए। मैं सबसे पहले पढ़ूंगा।"

काव्या हंसकर कहती,

"पहले तुम मुझे पूरा पढ़ तो लो।"

शायद वह पढ़ रहा था, या शायद दोनों एक-दूसरे को पढ़ते-पढ़ते अपने हिस्से की कहानी कहीं खो बैठे थे। एक शाम सौरव ने कहा,

"काव्या, मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं।"

काव्या ने कोई उत्तर नहीं दिया, बस अपना सिर उसके कंधे पर रख दिया। उसे लगा, यही उत्तर काफी है। लेकिन कुछ महीनों बाद सौरव बदलने लगा। फोन कम हो गए, मुलाकातें टलने लगीं, और उसके शब्दों में पहले जैसी सहजता नहीं रही। एक दिन उसने कहा,

"मेरे घर वाले नहीं मानेंगे।"

काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही, फिर पूछा,

"और तुम?"

सौरव ने आंखें झुका लीं।

"मैं... कोशिश करूंगा।"

उस दिन काव्या ने पहली बार जाना था कि कुछ रिश्ते "मैं कोशिश करूंगा" और "मैं तुम्हारे साथ हूं" के बीच ही मर जाते हैं। कुछ सप्ताह बाद सौरव ने रिश्ता खत्म कर दिया, न कोई बड़ा झगड़ा हुआ, न कोई आरोप। बस एक शांत-सा वाक्य,

"काव्या, मैं तुमसे प्यार करता हूं... लेकिन मैं अपने परिवार के खिलाफ नहीं जा सकता।"

वह हंसना चाहती थी, रोना चाहती थी। उससे पूछना चाहती थी कि फिर उसके प्रेम का अर्थ क्या था? लेकिन उसने कुछ नहीं पूछा। बस कहा,

"ठीक है।"

उस दिन के बाद उसने सौरव को कभी फोन नहीं किया। लेकिन हर दुर्गा पूजा पर मां से उसे वापस मांगती रही। शायद इंसान कई बार किसी व्यक्ति को नहीं, उस व्यक्ति के साथ देखे हुए अपने भविष्य को वापस मांगता है।

तीन वर्ष बीत गए। काव्या ने नौकरी शुरू कर दी थी। उसने फिर से लिखना शुरू कर दिया था। अपनी किताब का पहला अध्याय भी पूरा कर लिया था। लोग कहते थे, वह आगे बढ़ गई है। उसे भी कभी-कभी ऐसा लगता था। लेकिन दुर्गा पूजा आते ही उसके भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता। उस वर्ष जब अष्टमी की रात वह पंडाल पहुंची थी। ढाक की आवाज़ के बीच अचानक उसे लगा जैसे किसी ने उसका नाम पुकारा हो।

"काव्या..."

उसने पलटकर देखा, सामने सौरव खड़ा था। वही आंखें, वही आवाज़, बस चेहरे पर तीन वर्षों की थकान कुछ अधिक साफ दिखाई दे रही थी। काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही। यह कोई भ्रम नहीं था, वह सचमुच सौरव था।

"कैसी हो?"

काव्या के होठों पर हल्की-सी मुस्कान आई।

"ठीक हूं।"

सौरव ने उसकी आंखों में देखते हुए कहा,

"मैं तुम्हें बहुत याद करता था।"

तीन वर्ष पहले शायद यह सुनकर काव्या रो पड़ती, आज उसने केवल पूछा,

"अब?"

सौरव कुछ क्षण चुप रहा।

"अब भी।"

ढाक की आवाज़ दोनों के बीच गूंजती रही। सौरव ने बताया कि उसने शादी नहीं की। उसने कई बार काव्या से संपर्क करने के बारे में सोचा था, लेकिन हिम्मत नहीं हुई। उसे अपने निर्णय पर पछतावा था। फिर उसने बहुत धीमे से कहा,

"अगर तुम चाहो... तो हम फिर से शुरू कर सकते हैं।"

काव्या के भीतर जैसे किसी ने वर्षों से बंद संदूक खोल दिया, पहली बारिश, लाल चूड़ियां, चाय की वह छोटी-सी दुकान, उसका कंधा, उसकी आवाज़, और वह लड़की, जो कभी पूरे विश्वास से मानती थी कि प्रेम हर मुश्किल से बड़ा होता है। उसकी आंखें भर आईं, लेकिन इस बार आंसू सौरव के लिए नहीं थे। वे उस लड़की के लिए थे, जिसने कभी अपने प्रेम को बचाने के लिए स्वयं को खो दिया था। काव्या ने धीरे से कहा,

"सौरव, मैंने तुम्हें बहुत प्यार किया था।"

"था?"

काव्या मुस्कुराई।

"नहीं। कुछ प्रेम का समय बीत जाता है, प्रेम नहीं।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

सौरव उसे देखता रहा।

"तो फिर?"

काव्या ने एक लंबी सांस ली।

"लेकिन मैं उस जीवन में वापस नहीं जा सकती, जहां मुझे अपने होने के लिए किसी और की अनुमति चाहिए।"

"मैं बदल गया हूं।"

"शायद।"

"फिर तुम मुझे एक मौका क्यों नहीं देती?"

काव्या ने सामने मां दुर्गा की प्रतिमा की ओर देखा। मां की आंखों में वही शक्ति थी, जिसके सामने वह पिछले तीन वर्षों से सिर झुकाती आई थी, वह धीरे से बोली,

"क्योंकि मैंने तीन साल तुम्हारे लौटने की प्रार्थना की है।"

सौरव चुप रहा, काव्या की आवाज़ और धीमी हो गई।

"अब डर लगता है... अगर तुम लौट आए, तो कहीं मैं फिर खुद से दूर न हो जाऊं।"

सौरव के पास कोई उत्तर नहीं था, कुछ क्षण दोनों चुप खड़े रहे। फिर काव्या ने कहा,

"तुम मेरे जीवन का बहुत सुंदर हिस्सा थे, सौरव। लेकिन अब मैं अपने जीवन की पूरी कहानी तुम्हारे नाम नहीं कर सकती।"

वह मुड़ी और भीड़ में खो गई। उस रात घर लौटकर उसने अपनी पुरानी डायरी निकाली। पहले पन्ने पर अब भी वही वाक्य लिखा था,

"मां, उसे मेरे पास वापस भेज देना।"

काव्या देर तक उसे देखती रही, फिर उसने कलम उठाई। उस वाक्य के नीचे लिख दिया,

"मां, अगली बार मुझे वही मत देना जो मैंने मांगा है।"

उसकी आंखों से आंसू गिर पड़े। उसने आंखें बंद कीं।

"अगर वह मेरे लिए नहीं है, तो उसे वापस मत भेजना।"

कुछ क्षण वह चुप रही, फिर उसके होंठ कांपे—

"इस बार मुझे, मेरी वह ज़िंदगी वापस देना, जिसे मैंने उसके इंतज़ार में कहीं पीछे छोड़ दिया।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

कवि कॉर्नर

कविता | नरेंद्र कुमार



दशहरा

आया - आया दशहरे का त्योहार।
रावण , मेघनाथ का करो सिंगार।।

रावण का बड़ा पुतला दस सिर वाला।
लम्बी - लम्बी मूंछें मुंह फिर काला।।

पाखंडी बनके सीता का हरण किया।
हनुमान ने भी ढूंढने का प्रण लिया।।

राम - लक्ष्मण ने लंका में युद्ध किया।
राम ने रावण को दण्ड ख़ुद दिया।।

सौंप के राज विभीषण को लंका का।
तीनों लोक में बजा दिया डंका सा।।

कविता | सपना



इंसान

क्यों हर चेहरे पे मुखौटा है ?
क्यों हर शब्द में बनावट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी छवि
औरों पे सवाल उठाता है ।

क्यों हर हँसी कृत्रिम है ?
क्यों हर प्रशंसा छलपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी मर्यादा
औरों को व्यवहार सिखाता है ।

क्यों हर भरोसे में विश्वासघात है ?
क्यों हर कर्म स्वार्थपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना कर्तव्य
औरों को दायित्व समझाता है ।

क्यों हर शब्द में अहंकार है ?
क्यों हर कथन में कड़वाहट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना स्वभाव
औरों को नम्रता का पाठ पढ़ाता है ।

क्यों हर व्यवहार में मिथ्या है ?
क्यों हर आचरण में ढोंग है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी वास्तविकता
औरों को यथार्थ दिखाता है ।

हमारे देश में जूतों का बड़ा नाम है...



व्यंग्य | आसिम अनमोल

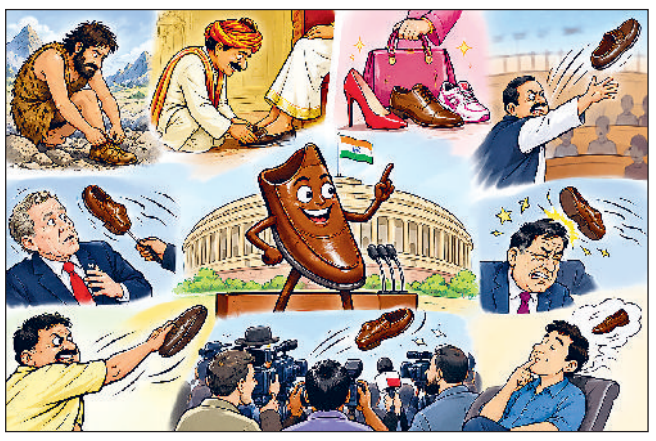

जूतों का इतिहास बेहद प्राचीन और दिलचस्प रहा है , जो मौसम और पथरीली ज़मीन से पैरों की सुरक्षा करने की ज़रूरत से शुरू होकर आज चारों तरफ़ उछल रहा फैशन का सबसे बड़ा हिस्सा बन चुका है। हमारे देश में जूतों की भी अपनी संस्कृति हुआ करती थी। जूतों को बड़े सम्मान से पैरों में पहना जाता था। जूते हमारे पैरों का विशेष ध्यान रखते थे। आज जूते पैरों से उतरकर हाथों की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हाथों से उछलकर संसद तक अपनी प्रतिष्ठा दिखा रहे हैं। जूते कम समय में इतनी बड़ी पहचान बना लेंगे, यह कल्पना भी नहीं की गई थी। यहां कुछ न चल रहा हो लेकिन जूते ऐसे चल पड़ते हैं, जैसे हमारे देश में मुंह उठाकर महंगाई चल पड़ती है। जूतों ने विगत वर्षों में कई ज़ोरदार आवाज़े उठाई हैं। कहीं व्यवस्था, युद्ध या फैसलों से तंग आकर जूता रूपी आवाज़ उठी है। कहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश को एक पत्रकार द्वारा यह कहकर तोहफे में दिए गए हैं कि यह इराक के अनाथों और विधवाओं की तरफ़ से विदाई का चुम्बन है। गौरतलब है कि इसी घटना के बाद से जूता फेंककर विरोध जताने का एक अनोखा चलन शुरू हो गया। अब जूते की भी अपनी एक आवाज़ स्थापित हो गई। जैसे नेता बोलने में माहिर होता है, वैसे ही जूता भी अब खामोश नहीं रहता। उछलकर खुद को स्थापित करता है। जूता उछालना और गुस्से का इज़हार करना अब प्रसांगिक हो गया है। यानी जूता जूता होता है। इसलिए जूते से जूते जैसा काम लिया जाता है। जूता उछालने पर सामने वाले की इज्ज़त भले ही जूते जैसी हो जाए। इससे जूते को कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि जूता इंसान नहीं जूता होता है। जूते का काम जुबान बनकर सीधा सवाल करना होता है। अब तो मीडिया को भी इंतज़ार रहता है कि कब प्रेस कॉन्फ्रेंस हो और कब जूता किसी की इज्ज़त पर शेयर मार्केट की तरह उछले और हमें बैठे बिठाए कवरेज हासिल हो जाए। यहां जूते को कोई नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। न ही जूता कोई फ़ालतू चीज़ होता है। जूता जुबान से लेकर हाथों से उछालने या मारने जैसी प्रक्रिया से होकर गुज़रता है। किसी से अनबन हुई तो बंदा तुरंत जूते की फिजिकल फिटनेस का परिचय देते हुए संबोधित करता है कि बेहिसाब पड़ेंगे। अब भले ही पड़े एक भी नहीं। यही तो जूते की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि जूता चला भी नहीं और जूते ने अपना काम भी कर दिया। और जहां चला, वहां जूते ने अपना नाम कर दिया। असल में जूते कभी शोरूमों की शोभा एवं पैरों की जीनत हुआ करते थे। दौर बदला तो जूते शोरूमों से बाहर आकर अपनी अहमियत दिखाने लगे। तभी से जूतों ने अपनी ताक़त को पहचानना आरम्भ कर दिया। जिधर देखिए, जूते को फेंककर मारने की परंपरा विकसित होती जा रही है। जूते चलाने में एक सुविधा का जिक्र भी कर दूं कि जुबान थकने से बच जाती है। दिमाग़ की ऊर्जा भी बर्बाद नहीं होती। यानी जूते का काम बड़ा आसान है। इसी लिए हमारे देश में जूते का बड़ा नाम है।

कुछ हटकर

एआई से करियर को दें नई उड़ान

सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल अब केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, बैंकिंग, मीडिया, डिजिटल विपणन और कारोबार में भी एआई उपकरणों की मदद ली जा रही है। इससे युवाओं के लिए करियर के नए विकल्प सामने आ रहे हैं। एआई सीखने के लिए शुरुआत में महंगी डिग्री जरूरी नहीं, लेकिन बेहतर नौकरी पाने के लिए संबंधित कौशल और व्यावहारिक अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

कौशल जरूरी

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

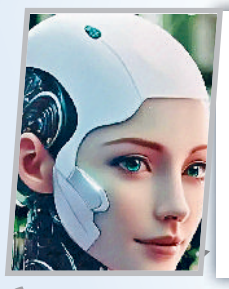

प्रशिक्षण विकल्प

- आईबीएम स्किल्सबिल्डः एआई, डेटा और डिजिटल कौशल के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- माइक्रोसॉफ्टः एआई की बुनियादी जानकारी और व्यावहारिक उपयोग सीखने के संसाधन।
- कनाइलिटः एआई, मशीन लर्निंग और प्रोग्रामिंग से संबंधित पाठ्यक्रम।

कितनी पढ़ाई जरूरी

- एआई उपकरणों का सामान्य इस्तेमाल सीखने के लिए 10वीं या 12वीं के बाद भी शुरुआत संभव।
- डेटा विश्लेषण के लिए आंकड़ों और कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी उपयोगी।
- ड-एआई इंजीनियर या मशीन लर्निंग विशेषज्ञ बनने के लिए प्रोग्रामिंग, गणित और संबंधित तकनीकी ज्ञान जरूरी।
- कुछ तकनीकी पदों पर स्नातक डिग्री या उच्च शैक्षणिक योग्यता मांगी जाती है।

कितनी हो सकती है कमाई

एआई और मशीन लर्निंग से जुड़े कुछ तकनीकी पदों पर शुरुआती वेतन लगभग 4 से 10 लाख रुपये सालाना या अधिक हो सकता है।-डिजिटल सामग्री और एआई उपकरणों से जुड़े शुरुआती कामों में कमाई कम हो सकती है।-स्वतंत्र रूप से काम करने वालों की आय ग्राहकों, परियोजनाओं और काम की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।यहां मिलेंगे अवसर-आईटी कंपनियों, बैंकिंग, ई-कॉमर्स और स्वास्थ्य सेवाओं में।-मीडिया, डिजिटल विपणन और शिक्षा क्षेत्र में।-डेटा विश्लेषण, तकनीकी सहायता और एआई आधारित सॉफ्टवेयर विकास में।-नौकरी के लिए आवेदन करने से पहले संबंधित पद की योग्यता और अनुभव की शर्तें देखें।

मोटिवेशनल

हम अक्सर खुशियों को टालते क्यों रहते हैं ?

हम अक्सर सोचते हैं कि जब हमारी नौकरी बेहतर होगी, आय बढ़ जाएगी या सारी मुश्किलें दूर हो जाएंगी, तब हम चैन से खुश हो पाएंगे। इसी 'तब' के इंतजार में वर्तमान का खूबसूरत पल पीछे छूटता चला जाता है। हम छोटी खुशियों को इस बहाने टाल देते हैं कि अभी बहुत कुछ पाना शेष है। और इसी इंतजार में हम आज को जीना भूल जाते हैं। परंतु जीवन कभी भी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त नहीं होता। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी खड़ी हो जाती है। फिर खुश होने के लिए किसी विशेष दिन का इंतजार क्यों करना?



डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

कभी-कभी हम खुशी के इंतजार में उस खुशी को ही खो देते हैं, जो हमारे पास पहले से होती है। अचानक मिलने वाली छोटी सी खुशी भी जीवन को सुंदर बना देती है। खुशी कोई पड़ाव नहीं है, बल्कि उन छोटे पलों का अहसास है जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। खुशी के लिए हमेशा बड़ी उपलब्धियों की जरूरत नहीं होती, कभी-कभी मन का सुकून ही सबसे बड़ी खुशी होता है। अतः जीवन को केवल एक बेहतर भविष्य की प्रतीक्षा में नष्ट न करें। जो खुशी आज आपके पास है, उसका आनंद आज ही लें—क्योंकि जीवन इंतजार करने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। इसके लिए हमेशा खुश रहने के निम्न प्रमुख तरीके अपनाएं।

तुलना करना बंद करें: दूसरों से अपनी तुलना करना छोड़ दें और जो कुछ आपके पास है, उसके लिए आभार (कृतज्ञता) व्यक्त करें।

वर्तमान में जिएं: भविष्य की चिंता या बीती हुई बातों के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय आज और इस पल में जीना सीखें।

नियमित व्यायाम और नींद: मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की भरपूर नींद लें और नियमित व्यायाम करें।

संतुलित आहार लें: अपने खान-पान में ताजे फल, हरी सब्जियां और पौष्टिक आहार को शामिल करें।

लघुकथा

सैन्य अनुशासन

सुबह-सुबह कर्नल साहब ने अपनी रौबदार आवाज में पत्नी से कहा —
"जरा स्टोर की चाबी देना, कुछ निकालना है।"
पत्नी ने चाबी तो थमाई, साथ ही हिदायत भी दी —
"काम हो जाए तो ठीक से ताला बंद कर दीजिएगा, कामवाली आने वाली है।"
कर्नल साहब बड़े एहतियात से स्टोर में गए, कुछ ढूँढा, फिर पूरे आत्मविश्वास के साथ ताला लगाया— क्लिक!
चाबी वापस पत्नी को देते हुए बोले, "मिशन पूरा!"
दोपहर को जब पत्नी जी स्टोर में कुछ निकालने पहुंचीं तो नजर पड़ते ही माथा ठनका।
डंडाले के दो छिद्रों में से ताला ऊपर वाले छिद्र में झूल रहा था यानी ताला तो बस दिखावे का पहरा था!
जो चाहे, बिना चाबी के स्टोर खोल ले!



नील मणि
साहित्यकार

स्टोर के दरवाजे पर दो छिद्रों वाला छोटा डंडाला लगा था जिसमें नीचे वाले छिद्र में रोड डालने के बाद डंडाला नीचे दबा ऊपर से ताला लगाते हैं।
पत्नी ने आवाज लगाई -"सुनिए जरा, आपने ताला लगाया था?"
कर्नल साहब ने गर्व से कहा, "हां, बिल्कुल लगाया था! क्यों?"
"जरा खोल दीजिए"
कर्नल साहब मिशन मोड में बड़े आत्मविश्वास के साथ चाबी लेकर स्टोर की ओर कूच कर गए। ताले में चाबी छिद्र में चाबी डालने ही वाले थे कि देखा- ताला तो शोभा की चीज बना हुआ था। डंडाला तो बिना चाबी के ही खुल गया!
क्षणभर के लिए दोनों की निगाहें मिलीं —
अब पत्नी की आंखों में मौन मुस्कान, कर्नल साहब के चेहरे पर झेंपी हुई बहादुरी और शौर्य से उपजा संकोच तैर रहा था।
पत्नी बुदबुदाई —
"सैन्य अनुशासन घर आते-आते पता नहीं कहां छुट्टी पर चला जाता है।"

सबरी के जूठे बेर खाने की लीला देख दर्शक हुए भावविभोर, लगाए जयकारे

स्वर्ण मृग के मायाजाल में फंसे राम व लक्ष्मण, रावण ने किया सीता का हरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बीते शनिवार की रात दिखाए गए रामलीला मंचन के दौरान श्रीरामचंद्र जी का स्वर्ण मृग का पीछा करना व लक्ष्मण जी का उनकी तलाश की ओर जाना, उनके पीछे से लंकापति रावण द्वारा सीता माता का हरण करना, रावण व जटायू का युद्ध, सीता जी की तलाश में वन में भटकते श्रीराम और लक्ष्मण का सबरी की कुटिया पहुंचना तथा उनके झूठे बेर खाना व श्री हनुमान व सुग्रीव मित्रता के दृश्यों का मंचन किया गया।

मंचन में दिखाया गया जब श्रीरामचंद्र जी, माता सीता के साथ पंचवटी में बैठे हुए थे तथा लक्ष्मण पहरेदारी कर रहा था तो उसी दौरान उन्हें एक स्वर्ण मृग पंचवटी परिसर में उछल कूद करता हुआ दिखाई देता है। सीता जी उस स्वर्णमृग को पाने की जिद करने लगती है। श्रीरामचंद्र जी उनसे कहते हैं यह कोई राक्षसी माया हो सकती है क्योंकि आज से पहले सोने के रंग जैसे हिरण कभी नहीं देखे। लेकिन सीताजी द्वारा किए गए बार-बार आग्रह को मानते हुए श्रीराम स्वर्णमृग की तलाश में वन में चले जाते है। कुछ ही देर बाद पंचवटी में बैठी सीताजी को श्रीराम द्वारा लक्ष्मण के पुकारने की आवाज सुनाई देती है तो लक्ष्मण को उनके पीछे भेजती है।



झज्जर। वानरराज सुग्रीव व श्रीराम की मित्रता के दौरान उपस्थित वीर हनुमान एवं लक्ष्मण जी। फोटो : हरिभूमि

लक्ष्मण ने खींची रेखा

लक्ष्मण जी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुटिया के चारों तरफ एक रेखा खींचते हुए सीता जी से किसी भी परिस्थिति में रेखा से बाहर न निकलने की विनती करते हुए श्रीराम की तलाश में वन की ओर चले जाते हैं। इसके बाद लंकापति रावण एक भिक्षुक का वेश धारण करके पंचवटी पहुंचता है तथा कई दिनों से भूखा होने की बात कहता है। इसके बाद सीताजी उन्हें भिक्षा देने के लिए जैसे ही लक्ष्मण द्वारा खींची गई रेखा से बाहर निकलती है तो रावण उसका हरण कर लेता है। उधर, दिन में होने वाली प्राचीन रामलीला में भी इन्हीं दृश्यों का मंचन किया गया। इसके अलावा रात्रि में भगत सिंह चौक पर आयोजित श्री विकास रामलीला में शूर्पणखां की नाक काटना की लीला से लेकर श्रीरामचंद्र जी द्वारा सबरी के झूठे बेर खाने की लीला तक की कथा का मंचन किया गया।

जय श्री राम, जय हनुमान के जयकारों से गूंजा शहर



झज्जर। मुकुटधारी हनुमान जी का पूजन करते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

दशहरे पर्व के उपलक्ष्य में शहर में रहे हैं। पूरे शहर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है। रविवार को बेरी गेट शिव मंदिर, बूढ़ा महादेव मंदिर, हरिपुरा मढ़ी माता मंदिर, बाबा कांशीगिरी मंदिर, मेन बाजार हनुमान मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में करीब एक महीने से ज्यादा ब्रह्मचर्य व्रत धारण कर रहे हनुमान भक्त भक्तिमय माहौल के बीच नाचते गाते जय श्रीराम, जय बजरंगी के जयकारे लगाते हुए प्राचीन रामलीला मंचन में पहुंचे। श्री वीर हनुमान सेवा समिति के प्रधान सुभाष वर्मा की नेतृत्व में बजरंगी सेना की पैदल यात्रा निकाली गई। रामलीला ग्राउंड की ओर रवाना होने से पूर्व पंडित पवन कौशिक ने मुकुट धारण वाले हनुमान रूपों की पूजा करवाई। श्रद्धालुओं, समिति के सदस्यों ने बालाजी महाराज की आरती कर यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान योगेश रंजन, मनीष मेहता, वीके शर्मा, भारत भूषण नंदा, राजेंद्र वधवा, शिवम तनेजा, लोकेश वर्मा, सतीश वर्मा, अमन वर्मा, दिनेश दुजाना, अमितोज, लक्ष्य वर्मा, राघव हंस, दीपांशु छाबड़ा, कृष्णा हंस, उमंग खुराना, चंचल वर्मा, सुंदर वर्मा, वशु वर्मा, भवित वर्मा, रूपेश कौशिक, अर्पित सेवक, अश्वनी शर्मा, सुनील शर्मा, माधव नंदा, प्रिंस सेठी, शौर्य गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

बृजलीला सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु



झज्जर। पुराना बस स्टैंड परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान रविवार को कथा व्यास अरविंद शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा आगमन, बृजलीला, कंस वध और रुक्मिणी विवाह के प्रसंग सुनाए गए। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि उन्होंने अपनी लीलाओं के माध्यम से अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना की। कंस वध का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि अत्याचार और अहंकार चाहे कितना भी बढ़ जाए, अंत में विजय सदैव सत्य और धर्म की ही होती है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह के प्रसंग के माध्यम से भक्ति, प्रेम और समर्पण का महत्व बताया गया। उन्होंने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।



आदर्श स्कूल में नवरात्र एवं दशहरा उत्सव की धूम

झज्जर। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादनपुर में नवरात्र एवं दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने नृत्य, नाटिका और धार्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के वन गमन की झांकी, रामायण पर आधारित नाटक, चोगाड़ा गीत पर डांडिया नृत्य, जय मां गौरी और आई गिरि नंदिनी की भक्तिमय प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोहा। मंच संचालन सातवीं कक्षा की छात्रा योगिता द्वारा किया गया। प्राचार्य गौरव कुमार ठाकुर ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय निदेशक अमित गहलावत ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों और मां दुर्गा की शक्ति से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। निदेशिका सीजू गहलावत ने कहा कि नवरात्र और दशहरा हमें बुराइयों का त्याग कर अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा देते हैं।

गांवों के विकास के लिए संयुक्त कमेटी बनाने पर जोर

■ भाईचारे को मजबूत करने और सभी गांवों के हितों से जुड़े साझा मुद्दों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव बामड़ोली में छिल्लर-छिकारा खत्री गौत्र के अंतरगत आने वाले गांव कानोंदा, मुकुंदपुर, खैरपुर, लडरावण, कुलासी और बराही के मौजिज लोगों की बैठक हुई। बैठक में आपसी भाईचारे को मजबूत करने, गांवों के विकास कार्यों को गति देने और सभी गांवों के साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सरपंचों, सरपंच प्रतिनिधियों व मौजिज लोगों की उपस्थिति में हुई बैठक में एक संयुक्त कमेटी बनाने का प्रस्ताव रखा गया। कमेटी की हर वर्ष बैठक कर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी। विधायक, सांसद और अधिकारियों द्वारा करवाए गए कार्यों के लिए आभार व्यक्त करने व लंबित कार्यों को पूरा करवाने के लिए चर्चा की जाएगी। सभी ग्राम पंचायतों को अधिक से अधिक सरकारी ग्रांट दिलवाने के लिए प्रयास करने पर जोर दिया गया और केएमपी से जोड़ने के लिए बनाई जाने वाली सड़क पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि सड़क निर्माण के लिए जिन गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा, वहां के किसानों को बाजार के मौजूदा भाव के अनुसार मुआवजा मिलनाच चाहिए। अनूप सिंह छिल्लर ने कहा कि गांवों की एकजुटता से बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र की राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा और क्षेत्र के साझा मुद्दों को मजबूती से उठाने में मदद मिलेगी। बैठक में सुमित मुकुंदपुर, मोहन खैरपुर, जितेंद्र बामड़ोली, मोहित बराही, राजेंद्र कानोंदा, नरेंद्र छिकारा और हरेकश छिकारा सहित विभिन्न गांवों के सरपंच, सरपंच प्रतिनिधि और अन्य मौजिज लोग उपस्थित रहे।



एमआर स्कूल में 23 को होगा एग्री लीडरशिप समिट-2026

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हसनपुर स्थित एमआर स्कूल में 23 अक्टूबर को एग्री लीडरशिप समिट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। कृषि मेला का उद्देश्य किसानों को परंपरागत खेती से पैरी अर्बन खेती पर लाना है। पैरी अर्बन खेती यानी फल, फूल, सब्जी की खेती और डेयरी व मछली उत्पादन पर फोकस करते हुए किसान को सीधा मार्केट से जोड़ना है। यह जानकारी पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती का पैटर्न बदलना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। धान और गेहूं जैसी परंपरागत खेती देश भर में हो रही है। हमारे नजदीक दिल्ली और एनसीआर की मार्केट है। जहां हम अपना पैरी अर्बन एग्री प्रोडक्ट सीधा बाजार में बेचकर कई गुना आय बढ़ा सकते हैं। पैरी अर्बन खेती से किसानों की जमीन बचाना और आय बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि कृषि मेले में दो सत्र होंगे। सुबह के सत्र में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भगीरथ चौधरी, प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, हरियाणा एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन वेदपाल सहित कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। दोपहर बाद सत्र में नागरिक खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, भाजपा राष्ट्रीय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद बंसीलाल गुर्जर, पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री संजीव बाल्यान सहित कृषि विशेषज्ञ बात रखेंगे। कृषि मेले में किसानों और पशुपालकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

सेक्टर-2 की समस्याओं को लेकर विधायक राजेश से मिले आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी

दो-तीन दिन में सड़क के गड्ढे भरवाने का मिला आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-2 की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विधायक राजेश जून से मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने सेक्टर की बदहाल सड़कों, महर्षि दयानंद सरस्वती द्वार के पास पुलिया निर्माण, ग्रीन बेल्ट विकसित करने और नई स्ट्रीट लाइटें लगवाने सहित कई समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा।

आरडब्ल्यूए सेक्टर-2 के प्रधान रामफल दलाल, उपप्रधान रामधन सिंह दलाल, उपप्रधान बिजेंद्र सिंह जून, महासचिव डीपी दहिया और प्रेस सचिव परमजीत सिंह दलाल आदि ने सेक्टर की सड़कों का निर्माण होने तक बीच वाली सड़क पर बने गड्ढों को समतल कर भरवाने की मांग की। ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

इसके अलावा महर्षि दयानंद सरस्वती द्वार के पास पाइप हटाकर आरसीसी की पुलिया का निर्माण करवाने की मांग भी उठाई। पदाधिकारियों ने कहा कि सेक्टर-2 की ग्रीन बेल्ट का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है, जबकि यहां नई स्ट्रीट लाइटों की भी आवश्यकता है। विधायक राजेश जून ने पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि सड़क के गड्ढे दो-तीन दिन के भीतर भरवा दिए जाएंगे। पुलिया का निर्माण भी जल्द करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई लाइटें उपलब्ध होते ही सेक्टर-2 में स्ट्रीट लाइटें लगवाई जाएंगी। वहीं, ग्रीन बेल्ट के निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करवाकर बजट स्वीकृत कराने का प्रयास किया जाएगा।

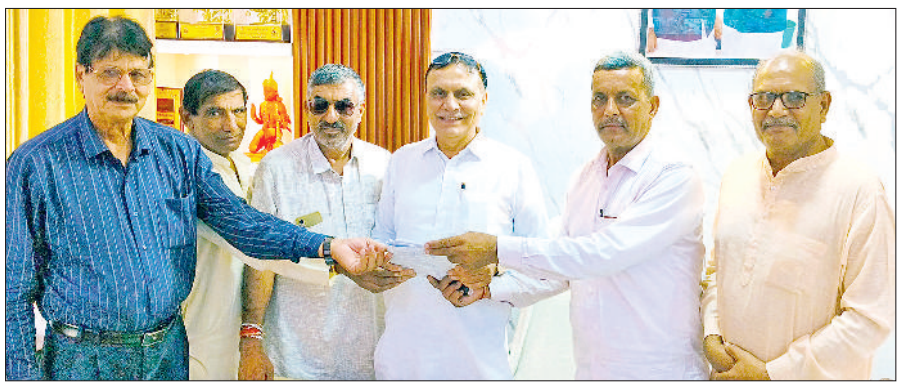

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून को मांग पत्र सौंपते आरडब्ल्यूए पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने बेरी मेले से बरामद की चोरी की मोटरसाइकिल

झज्जर। माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में आयोजित मेले की पार्किंग से चोरी हुई मोटरसाइकिल को पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया है। चौकी प्रभारी बेरी उप निरीक्षक सागर ने बताया कि गांव बाघपुर निवासी अनुप सिंह ने मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत दी थी। मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी कृष्ण को पकड़ा है। आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा मोटरसाइकिल को कबूलपुर रोड पर जेएलएन नहर के नजदीक से बरामद किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी कृष्ण एक अन्य हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और फिलहाल 70 दिन की पैरोल पर बाहर आया हुआ था। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कांग्रेस के ब्लॉक सम्मेलन में संगठन की मजबूती पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव सांखोल में रविवार को ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून और कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में क्षेत्र के विकास, जनहित के मुद्दों और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि कांग्रेस की ताकत उसके कार्यकर्ता और आम जनता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनने और उन्हें उचित मंच पर उठाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि राजेंद्र सिंह जून ने अपने 10 साल के कार्यकाल में हलके के विकास और जनहित के लिए सराहनीय कार्य किए। ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष संदीप उर्फ सीटू बराही ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए कार्यकर्ता मेहनत करेंगे। सम्मेलन में शहरी ब्लॉक अध्यक्ष कमल अरोड़ा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वेद प्रकाश प्रधान, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र जैलदार, पूर्व ब्लॉक समिति एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन आजाद राठी, पूर्व ब्लॉक समिति चेयरमैन तेजवीर दलाल, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन रवि खत्री, पार्षद बलराम दलाल, प्रतिनिधि संजीव मलिक, राज सिंह पहलवान, युवा कांग्रेस मीडिया चेयरमैन प्रदीप यादव, यशवंत दुल्हेड़ा, राजेश कलसन, गीता डेरौलिया आदि मौजूद रहे।

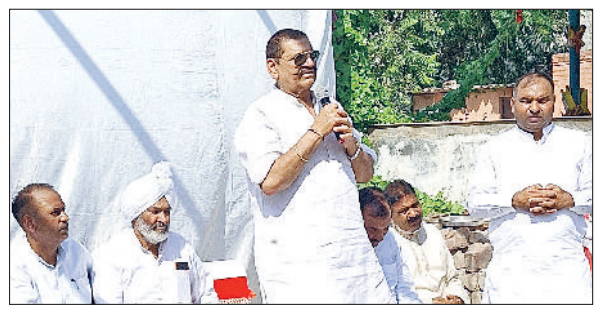

बहादुरगढ़। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व विधायक राजेंद्र जून।

पूर्व कृषि मंत्री ने अनाज मंडी में फसल खरीद का लिया जायजा

एक लाख, 62 हजार, 9 क्विंटल बाजरे की और 32 हजार 763 क्विंटल धान की खरीद हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पूर्व कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने रविवार को स्थानीय अनाज मंडी का दौरा कर फसल उत्पाद की सरकारी खरीद का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में खरीद प्रक्रिया की जानकारी ली और अधिकारियों से अब तक हुई खरीद के आंकड़ों के बारे में चर्चा की। अधिकारियों ने पूर्व मंत्री को बताया कि मंडी में अब तक 1,62,009 क्विंटल बाजरे और 32,763 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। धनखड़ ने कहा कि मंडी में फसल बेचने के लिए आने वाले किसी भी किसान को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। सरकारी खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से चलनी चाहिए और किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत से तैयार फसल का उचित प्रबंधन करना जरूरी है, ताकि उन्हें किसी प्रकार के आर्थिक नुकसान का सामना न करना पड़े। पूर्व कृषि मंत्री ने बताया कि सरकार अब मंडी में बिक्री के लिए पहुंचे अनाज का भी बीमा करवाने की योजना बना रही है। इस पहल का उद्देश्य बारिश और जलभराव जैसी परिस्थितियों में फसल उत्पाद को होने वाले नुकसान से बचाव करना है।

जिला स्तरीय खेल महाकुंभ में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

बीकेडी स्कूल के 26 खिलाड़ी स्टेट लेवल के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिला स्तरीय खेल महाकुंभ में बीकेडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। थ्रोबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय के 26 खिलाड़ियों का स्टेट लेवल के लिए चयन हुआ है। इनमें 14 छात्राएं और 12 छात्र शामिल हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय निदेशक जितेंद्र कुमार ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय की बालिका और बालक दोनों टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्टेट लेवल में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विजेता खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन के आधार पर पदक हासिल कर अभिभावकों व शिक्षकों का नाम रोशन करेंगे।



झज्जर। खेल मैदान में बालिका टीम के साथ उपस्थित शिक्षक व प्रशिक्षक।

हॉकी स्टार ज्योति रमावत का अभिनंदन

बहादुरगढ़। शहर के लाइनपार स्थित बंदा वीर बैरागी धर्मशाला में रविवार को एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी ज्योति रमावत का अभिनंदन किया गया। समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने गांव कुलासी निवासी ज्योति का गर्मजोशी से स्वागत किया। बंदा वीर बैरागी धर्मशाला कमेटी ने 51 हजार रुपये देकर ज्योति का सम्मान किया। धर्मशाला के प्रधान जयकंवार छिकारा ने कहा कि ज्योति की सफलता से क्षेत्र का गौरव बढ़ा है और अन्य बेटियों को भी खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। धर्मशाला के पूर्व प्रधान दलबीर सिंह ने धर्मशाला के लिए वाटर कूलर भेंट किया। पार्षद पालेराम शर्मा ने कहा कि ज्योति रमावत की उपलब्धि देश-प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।



ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल की तरफ से ज्योति रमावत और सेना में लैफ्टिनेंट बने सागर रमावत के परिजनों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धर्मशाला सचिव कृष्ण मौनी, पार्षद राजेश तंवर, समाजसेवी सतीश शर्मा, राज छिकारा, राजेंद्र, पूर्व पार्षद महिपाल, नंबरदार मंगू सिंह, मुकेश कुलासी, रामचंद्र हुड्डा, रामनिवास प्रधान, प्रधान कुलदीप, जोगेंद्र, सतपाल दिल्ली, बसंतपाल भिवानी, जयपाल, अनिल पप्पू, राजकुमार सांखौल व दीपक हुड्डा आदि उपस्थित रहे।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम, मेला परिसर रहा सीसीटीवी की जद में

श्रद्धालुओं ने किए माता भीमेश्वरी देवी के दर्शन, परिवार की सुख-समृद्धि की कामना

मां के अंदर के मंदिर से बाहर के मंदिर में प्रतिमा लाने की जिम्मेदारी कड़ी सुरक्षा के साथ निभाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरी





बेरी। मां भीमेश्वरी देवी की प्रतिमा और मां भीमेश्वरी देवी के दर्शनों के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने का जो सिलसिला शनिवार सांय शुरू हुआ वह रविवार को अष्टमी के दिन दोपहर तक जारी रहा। मां के दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं ने बिना किसी परेशानी को महसूस किए मां के दर्शनों के लिए घंटों इंतजार करते हुए माता के दर्शन किए और अपने परिवार की सुख स्मृद्धि की कामना की। अष्टमी पर बाहर के मंदिर में जब मां की प्रतिमा लाई गई तो पूरा मंदिर परिसर मां के जयकारों से गूंज उठा। मां के अंदर के मंदिर से बाहर के मंदिर में प्रतिमा लाने की जिम्मेदारी कड़ी सुरक्षा के साथ निभाई गई। पूरे रास्ते में मां के जयकारे गूंजते रहे। इसके बाद मां के दर्शनार्थ लाखों की संख्या में श्रद्धालु निरंतर जयघोष के साथ मंदिर तक बढ़ते रहे। मां भीमेश्वरी के मंदिर में यह क्रम दोपहर तक जारी रहा। इस मेले में निर्विघ्न शांति से संपन्न होने से प्रशासन को भी राहत मिली है। अष्टमी पर्व पर दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां भीमेश्वरी देवी के दरबार मे माथा टेककर मन्नतें मांगी, वहीं नवविवाहित जोड़ों ने माता के दरबार में गठजोड़े की जात दी। लोगों ने अपने नवजात बच्चों का मुंडन भी करवाया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था व सुविधाओं की दृष्टि से बेरी मेले को विभिन्न क्षेत्रों में बांटा गया था। बरसों से चली आ रही परंपरानुसार अष्टमी के दिन मां भीमेश्वरी देवी को सुबह मां दो बजे बाहर वाले मंदिर मे लाया गया। अष्टमी के लिए मंदिर के पुजारी ने मत्रोच्चारण के बीच मंगला आरती करवाई। बता दें कि मां भीमेश्वरी देवी का इकलौता मंदिर है जहां माता की मूर्ति एक है और माता दो मंदिरों में विराजमान होती हैं।



पूर्व विस. स्पीकर कुलदीप शर्मा ने किए माता भीमेश्वरी देवी के दर्शन

झज्जर। हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कुलदीप शर्मा रविवार को बेरी स्थित माता भीमेश्वरी देवी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने माता के दरबार में माथा टेककर विधिवत पूजा-अर्चना की और माता रानी का आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित भगवत दयाल शर्मा की समाधि पर पहुंचे। उन्होंने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और नमन किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुलदीप शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी न किसी से डरते हैं और न ही किसी को डराते हैं। राहुल गांधी केवल संविधान और लोकतंत्र बचाने के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को लेकर जिस तरह से प्रचार किया जा रहा है,वह वास्तविकता से अलग है। राहुल गांधी ने हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों की बात की है। वहीं उन्होंने सांसद दीपेंद्र हुड्डा को राहुल गांधी द्वारा प्रदर्शन के दौरान ट्रक से नीचे उतारने के वीडियो को लेकर भाजपा नेताओं के बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आज तक किसी को धक्का नहीं दिया और न ही उनकी ऐसी राजनीतिक संस्कृति रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वीडियो को लेकर किया जा रहा प्रचार भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।



वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में 250 से अधिक धावकों ने दौड़ लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बीआरजी के संस्थापक दीपक छिल्लर के नेतृत्व में 100 धावकों ने स्वयंसेवक बनकर चार हाइड्रेशन पॉइंट पर ड्यूटी दी

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में 41 हजार धावकों के बीच बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 250 से अधिक धावकों ने भी दौड़ लगाई। बीआरजी के संस्थापक दीपक छिल्लर के नेतृत्व में 100 धावकों ने स्वयंसेवक बनकर चार हाइड्रेशन पॉइंट पर ड्यूटी दी।

बीआरजी की वरिष्ठ धाविका कृष्णा राणा ने 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग, नरेंद्र जांगड़ा ने 10 किलोमीटर की 35 से अधिक आयुवर्ग और सूरज बिष्ट ने 15 से अधिक आयुवर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त किया। शिव और मोहित भी टॉप टेन में रहे। डॉ. किरण छिल्लर ने 10 किलोमीटर दौड़ में पेसर की भूमिका निभाई। बीआरजी के सुरेंद्र दलाल, सुरेश राठी, आशुतोष, सुनील सिकरी, नरेंदर राम, वीरेंद्र राणा, सुधीर तेवतिया, मेजर कुलवंत, नवनीत सिंह, रविंद्र मलिक, प्रमोद, राजकुमार, सोमदेव मलिक, विकास राठी, नीरज राठी, बिजय सिंह, देवेंद्र, किशोर प्रसाद, नवीन राणा, आरके मोर, संदीप, विनोद, प्रवीन, गुलाब सिंह, सरनम, विनीत, लक्ष्मण, विजय, भोजराज, रमेश, संयम, सेवाराम, निकुंज, प्रणव पांडेय और रचित दलाल आदि धावकों ने दौड़ पूरी की।

दुर्गा अष्टमी पर पदयात्रा कर धर्मनगरी बेरी पहुंचे पूर्व मंत्री धनखड़

झज्जर। पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ रविवार को दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर पदयात्रा करते हुए धर्मनगरी बेरी पहुंचे। यहां उन्होंने माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में माथा टेककर पूजा-अर्चना की और प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत को एकजुट रखने में मां की 52 शक्तियों ने अहम भूमिका निभाई है। देशभर में स्थित शक्तिपीठ हमारी धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि नवरात्र के दौरान प्रतिदिन पदयात्रा के माध्यम से 11,111 कदम चलने का संकल्प लिया है। नौ दिनों तक पदयात्रा करने से उन्हें नई ऊर्जा और शक्ति का अनुभव हुआ है।



विद्यार्थियों और शिक्षकों ने किया सुंदरकांड का

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रविवार को सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भदाना गांव की सुंदरकांड मंडली में शामिल अमित शर्मा, संस्कृत प्राध्यापक धर्मेंद्र शास्त्री, गोपाल कौशिक, सुमित शर्मा, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा द्वारा संगीतमय सुंदर कांड पाठ किया गया। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया व नीलम दहिया, योजित गुलिया, भविष्य दहिया, स्कूल मैनेजर केएम डागर, प्राचार्या निधि कादियान ने विद्यार्थियों व स्टॉफ सदस्यों के साथ मिलकर हवन में आहुति डालकर कार्यक्रम की शुरूआत की। सुंदरकांड का सामूहिक पाठ करते हुए विद्यार्थियों व शिक्षकों ने भगवान हनुमान जी से बल एवं बुद्धि प्राप्ति की कामना की। इस दौरान स्टॉफ सदस्यों व विद्यार्थियों ने सुंदर कांड पाठ की चौपाइयों का उच्चारण भी किया।

भक्तों ने महागौरी का पूजन कर कन्याओं को करवाया भोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर



झज्जर। रविवार को दुर्गा अष्टमी पर्व पर भोजन करतीं कन्याएं। फोटो : हरिभूमि

शहर में श्रद्धालुओं ने श्री दुर्गा अष्टमी पर्व बड़े ही श्रद्धा भाव से मनाया। नवरात्र में व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने महागौरी की पूजा अर्चना कर अपना व्रत खोला। वहीं मंदिरों में माता की पूजा अर्चना की गई। मां के जयकारों से मंदिर गूंजते रहे। लोगों ने कन्याओं को देवी का रूप मानकर उन्हें भोजन कराने के उपरांत उपहार भेट किए। पंडित गुलशन शर्मा ने बताया कि नवरात्र में नौ देवियों की पूजा का विधान है।

नवरात्र में श्रद्धापूर्वक दान, व्रत करने से मां की विशेष कृपा प्राप्त होती है और मनोकामना भी पूर्ण होती है। कन्या पूजन ही साक्षात मां की पूजा है। कन्या पूजन का भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में भी बहुत महत्व है।

गलियों, मोहल्लों में करीब दस बजे तक लोग नंगे पैर अपने परिवार सहित इधर-उधर घूमते हुए दिखाई दिए। जिस घर में कन्याओं का पूजन किया जा रहा था, उसके बाहर अन्य परिवारों के तीन-चार सदस्य कन्याओं को अपने घर लेने जाने का इंतजार कर रहे थे। स्थिति यह रही कि कन्याओं को भोजन कराने के लिए श्रद्धालुओं को लंबा इंतजार करना पड़ा। अष्टमी के दिन श्रद्धालुओं ने नवरात्र के व्रत को कन्याओं के पूजन के साथ खोला और प्रसाद ग्रहण किया।



चलायमान औषधालय सालासर के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नर सेवा नारायण सेवा संस्थान के पुराना औद्योगिक क्षेत्र स्थित औषधालय से रविवार को सालासर धाम के लिए निःशुल्क चलायमान औषधालय रवाना हुआ। भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने इसे झंडी दिखाकर राजस्थान के लिए रवाना किया। वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला ने नवीन बंटी का स्वागत करने के साथ ही स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने कहा कि जरूरतमंदों और श्रद्धालुओं को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना पुण्य का कार्य है। उन्होंने वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला द्वारा नर सेवा नारायण सेवा संस्थान के माध्यम से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 1980 से निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवा देना परमार्थ कार्य है। वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला ने बताया कि राजस्थान के सालासर धाम में पूर्णिमा तक आयोजित होने वाले मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को शिविर लगाकर निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इस अवसर पर आनंद रोहिल्ला, रवि रोहिल्ला, सुनील रोहिल्ला, लतिका रोहिल्ला, अशोक चोपड़ा, संतराम बुपनिया, हरीश कुमार, विनोद पोद्दार, अंजना देवी, सुनीता देवी, नीलम, डॉ. स्नेह प्रकाश, डॉ राहुल आदि मौजूद रहे।



बहादुरगढ़। गरबा-डांडिया महोत्सव में नृत्य करते लोग। फोटो : हरिभूमि

डांडिया नाइट में शहरवासियों ने मस्ती से किया गरबा

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 स्थित जिमखाना क्लब में जलसा ग्रैंड के सहयोग से डांडिया नाइट आयोजित की गई। रंग-बिरंगी रोशनी और संगीत के बीच शहरवासियों ने खूब मस्ती की। एमबीडी डांस ग्रुप की आकर्षक प्रस्तुतियों के साथ प्रतिभागियों ने जमकर डांडिया खेला और गरबा किया। समारोह में एंकर एवं मिमिक्री कलाकार अमित वर्मा ने दर्शकों को खूब हंसाया। बच्चों के लिए मनोरंजक खेलों और गतिविधियों का आयोजन किया। उत्सव में शामिल हुए 2 दंपतियों और महिलाओं ने गरबा नृत्य किया। पारंपरिक संगीत और रंग-बिरंगे परिधानों के बीच प्रतिभागियों ने डांडिया का भरपूर आनंद लिया। नृत्य प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों को जलसा ग्रांड की ओर से सम्मानित भी किया गया।

श्रद्धालुओं ने की मां महागौरी की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



दुर्गा पूजा के कारण बाजारों में खरीदारी बढ़ी

भीड़ बढ़ने से प्रमुख सड़कों पर जाम की स्थिति बनी

शहर में विभिन्न स्थानों पर दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाई जा रही है। रविवार को शहर के विभिन्न पूजा पंडालों के पट खुलते ही मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार को महाष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। दरअसल, इन दिनों पूजा पंडालों और मंदिरों में दर्शन के साथ बाजारों में भी त्योहार की रौनक देखने को मिल रही है। दुर्गा पूजा का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। रविवार को महाष्टमी के अवसर पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा-अर्चना की गई। शहर के विभिन्न पूजा पंडालों में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बहादुरगढ़ काली बाड़ी मंदिर सोसायटी द्वारा धर्मपुरा स्थित धर्मशाला में 26वां श्री श्री सरबोजनिन दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां महागौरी की आराधना से भक्तों के कष्ट दूर होते हैं और उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। बड़ी संख्या में महिलाएं उपवास रखकर मां की पूजा करती नजर आई। दुर्गा पूजा के कारण बाजारों में खरीदारी तेज हो गई है। भीड़ बढ़ने से प्रमुख सड़कों पर जाम की स्थिति रही। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

न्यूज डायरी



सामाजिक सद्भाव की कामना की

बहादुरगढ़। विश्व शांति, लोकमंगल और मानव कल्याण की कामना के साथ चार दिवसीय गायत्री महायज्ञ का रविवार को पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। इस दौरान सवा लाख गायत्री मंत्रों की आहुति देकर सुख-समृद्धि और सामाजिक सद्भाव की कामना की गई। मुख्य वक्ता आचार्य सत्यवीर ने कहा कि गायत्री मंत्र सद्बुद्धि, विवेक और सकारात्मक चिंतन की प्रेरणा देता है। आत्मशुद्धि आश्रम से पहुंचे स्वामी रामानंद सरस्वती ने कहा कि गायत्री मंत्र का जप और यज्ञ आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के साथ मन को शांति प्रदान करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने तनाव और आपसी मतभेदों के दौर में संयम, सद्विचार और मानव सेवा को अपनाने पर जोर दिया। आयोजक रामधन शर्मा ने कहा कि महायज्ञ का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ मानवता, सामाजिक एकता और सद्भावना का संदेश देना है। इस अवसर पर वीरेंद्र कुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार, नगराधीश सुभाष जून, मेधा गौतम, वैभव, राहुल, सौरभ और प्रीति सहित अन्य उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295154800, 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

प्रतियोगिता विजेता तैराकों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

दूसरे दिन झज्जर और गुरुग्राम के तैराकों ने जीते कई मेडल

हेतिका खत्री ने 50 मीटर फ्री स्टाइल का गोल्ड मेडल जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। विजेता तैराकों को पुरस्कृत करते कैप्टन भूपेंद्र, अनिल खत्री व अन्य।

शहर की एचएल सिटी स्थित चैम्पियंस एक्वेटिक एकेडमी में चल रही हरियाणा राज्य की 43वीं सब-जूनियर एवं 53वीं जूनियर तैराकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन झज्जर और गुरुग्राम के तैराकों ने खूब मेडल जीते। वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन भूपेंद्र ने मुख्यातिथि के तौर पर विजेता तैराकों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। हरियाणा तैराकी एसो. के महासचिव अनिल खत्री ने बताया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन ग्रुप पांच में झज्जर की हेतिका खत्री ने 50 मीटर फ्री स्टाइल का गोल्ड मेडल जीता।

लड़कों के 17-18 वर्ष 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में रोहतक के देवांश कादियान ने गोल्ड, पानीपत के अरमान राठी ने सिल्वर और पलवल के कार्तिक ने कांस्य पदक जीता। जबकि 15-16 वर्ष के लड़कों में फरीदाबाद के दर्श सिंह ने गोल्ड, झज्जर के अरमान मान ने सिल्वर और सोनीपत के वीर खरेटा ने कांस्य पदक जीता। लड़कियों के 17-18 वर्ष वर्ग की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में पलवल की कशिश ने गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं 15-16 वर्ष की स्पर्धा में फरीदाबाद की नियति जुल्का ने गोल्ड, हिसार की दीक्षिका शर्मा ने सिल्वर और अंबाला की शक्ति शर्मा ने कांस्य पदक जीता। लड़कों के 11-12 वर्ष की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले स्पर्धा में अंबाला के धवल ठाकुर ने गोल्ड, गुरुग्राम के दैविक ने सिल्वर और गुरुग्राम के ही पूरव डबास ने कांस्य पदक जीता। जबकि 100 मीटर फ्रीस्टाइल 11-12 वर्ष लड़कों के वर्ग में गुरुग्राम के दैविक ने गोल्ड, अंबाला के धवल ठाकुर ने सिल्वर और गुरुग्राम के आर्यनवीर ठाकुर ने कांस्य पदक जीता। लड़कियों में सोनीपत की मीरा चैहान ने गोल्ड मेडल जीता। लड़कों 17-18 वर्ष की 100 मीटर बैकस्ट्रोक में शाह सतनाम टीम के नवीन कुमार ने गोल्ड, झज्जर के तुषार लोहचब ने सिल्वर और फरीदाबाद के शिवाजी राव ने कांस्य पदक जीता। लड़कों के 15-16 वर्ष 100 मीटर बैकस्ट्रोक में गुरुग्राम के अनंत गुलिया ने गोल्ड, फरीदाबाद के दिवित राठौर ने सिल्वर और झज्जर के अरमान ने कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में 15-16 वर्ष की 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में गुरुग्राम की एवाआ गुप्ता ने गोल्ड, गुरुग्राम की नैशा भुटानी ने सिल्वर और चरखी दादरी की स्नोवर ने कांस्य पदक जीता। लड़कों की 13-14 वर्ष के 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में झज्जर के विहान ने गोल्ड, सोनीपत के अनव मलिक ने सिल्वर और हिसार के नैतिक सिहाग ने कांस्य पदक जीता।

लड़कियों में गुरुग्राम की सेरेना सरोहा ने गोल्ड, गुरुग्राम की स्वपनिका मन्न ने सिल्वर और अलायका ठाकरान ने कांस्य पदक जीता। लड़कों के 13-14 वर्ष की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में झज्जर के विहान ने गोल्ड, सोनीपत के अनव मलिक ने सिल्वर और हिसार के नैतिक सिहाग ने कांस्य पदक जीता। लड़कियों में गुरुग्राम की सेरेना सरोहा ने गोल्ड मैडल हासिल किया। लड़कों के 17-18 वर्ष के 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में पलवल के रक्षित गोयत ने गोल्ड और झज्जर के शोभित गिल ने सिल्वर मेडल जीता।



वैश्य समाज ने किया इशांत का सम्मान

बहादुरगढ़। रविवार को शहर की अग्रसेन धर्मशाला में एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने वाले खरमान निवासी इशांत को वैश्य समाज की तरफ से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक गुप्ता और दूरदर्शन के पूर्व डायरेक्टर देवेंद्र ने पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर इशांत का सम्मान किया। इस अवसर पर कौशल कौशिक, मुकेश, अनिल आदि ने इशांत को उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।

डॉ. परवीर बने संगठन के राष्ट्रीय सचिव

बहादुरगढ़। सशक्त राष्ट्र निर्माण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार शुक्ल द्वारा डॉ. परवीर कुमार को संगठन का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। डॉ. परवीर कुमार दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उन्होंने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व व सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे।